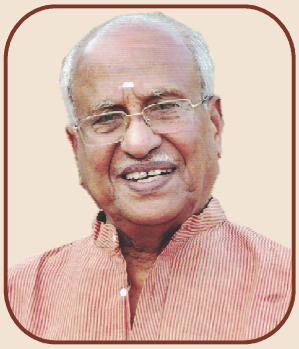

SHRI O. RAJAGOPAL

Shri O. Rajagopal is an eminent statesman from Kerala.

2. Born on 15th September, 1929 in Pudukkode Panchayath in Palakkad, Kerala, Shri Rajagopal took his early education in Kanakkannoor Elementary School and Manjapra Upper Primary School. Later, he went to Government Victoria College, Palakkad. He completed Law education in Madras and began practicing Law in 1956 at the Palakkad District Court.

3. Shri Rajagopal was inspired by Shri Deendayal Upadhyaya and began working in the Bharatiya Jana Sangh from 1964, but the tragic death of his political idol Shri Deendayal in 1968 spurred him to pursue his political career full-time as a karyakarta of the party. Sacrificing his thriving legal career, he took on the arduous mission to build the Jan Sangh party in the Kerala state from ground level. He became the State General Secretary of Jana Sangh until 1974 when he was promoted to the post of President, a post he held until 1977. During the period of Emergency, he was jailed and was held in Viyyur Central Jail. Over the years, he also held several key posts in the Bhartiya Janta Party (BJP). He is the senior most member of the BJP in Kerala and the first ever member and its floor leader in the Legislative Assembly of Kerala of the BJP.

4. Shri Rajagopal has been elected twice — in 1992 and 1998 — as a Member of Parliament, Rajya Sabha from Madhya Pradesh. He also held important portfolios under the Atal Bihari Vajpayee government as Minister of State for Defence and Parliamentary Affairs, Urban Development, Law, Justice and Company Affairs, and Railways. As an MLA in the Kerala State Assembly, he was a member of Committee on Petitions and Committee of Public Work, Transport and Communications. His dedication to public service and commitment to improving infrastructure have left a significant legacy in Kerala's infrastructural development. During his term as Minister of State for Railways, he worked towards improving railway infrastructure in Kerala, connecting to the rest of India. As the Minister of Urban Development, he played a crucial role in shaping urban policies and infrastructure. His focus was on improving living conditions, sanitation, and civic amenities in cities and towns across India.

5. Shri Rajagopal, being a lawyer by profession, actively advocated for legal reforms. He worked towards simplifying legal procedures, enhancing access to justice, and ensuring fairness in the legal system. During his tenure as the Minister of State for Company Affairs, he worked on strengthening corporate governance, promoting transparency, and safeguarding the interests of shareholders and investors. As the Minister of State for Defence, he contributed to modernising India's armed forces, ensuring national security, and enhancing defence capabilities. He handled Parliamentary affairs, facilitating smooth functioning and coordination between various political parties within the Indian Parliament.

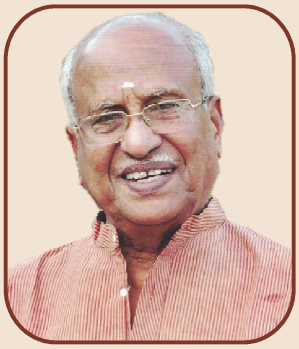

श्री ओ. राजगोपाल

श्री ओ. राजगोपाल केरल के एक प्रख्यात राजनेता हैं।

2. श्री राजगोपाल का जन्म 15 सितंबर, 1929 को पलक्कड़ , केरल के पुदुकोडे पंचायत में हुआ। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा कनककन्नूर एलिमेंट्री स्कूल और मंजप्रा अपर प्राइमरी स्कूल में प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने गवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज, पलक्कड़ से शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने मद्रास में कानून की शिक्षा प्राप्त की और 1956 में पलक्कड़ जिला न्यायालय में कानून की प्रैक्टिस करने लगे।

3. श्री राजगोपाल श्री दीनदयाल उपाध्याय से प्रेरित थे और 1964 से भारतीय जन संघ में काम करना शुरू कर दिया था। किंतु 1968 में उनके राजनीतिक आदर्श श्री दीनदयाल की दुखद मृत्यु के पश्चात वह पार्टी के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने लगे। अपने सफल कानूनी करियर को छोडकर, उन्होंने केरल राज्य में जमीनी स्तर से जनसंघ पार्टी खड़ा करने का कठिन मिशन चुना। वह जन संघ के राज्य महासचिव बने और 1974 में राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाए जाने तक इस पद पर रहे और फिर 1977 तक अध्यक्ष रहे। आपातकाल के दौरान, उन्हें वियूर केन्द्रीय कारागार में रखा गया। बाद में, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में कई प्रमुख उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। वे केरल में भाजपा के वरिष्ठतम सदस्य हैं और केरल विधान सभा में भाजपा के पहले सदस्य और सदन में उसके नेता हैं।

4. श्री राजगोपाल दो बार – 1992 और 1998 में – मध्य प्रदेश से राज्य सभा के सदस्य चुने गए हैं। उन्होंने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रक्षा और संसदीय कार्य, शहरी विकास, विधि, न्याय और कंपनी कार्य तथा रेलवे जैसे महत्वपूर्ण विभागों में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। केरल राज्य विधानसभा में सदस्य के रूप में, वह याचिका समिति तथा लोक कार्य, परिवहन और संचार समिति के सदस्य थे। जन सेवा के प्रति उनके समर्पण और अवसंरचना में सुधार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने केरल के अवसंरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण विरासत की नींव रखी है। रेल राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने केरल को शेष भारत से जोड़ने के लिए रेलवे अवसंरचना में सुधार की दिशा में काम किया। शहरी विकास मंत्री के रूप में, उन्होंने शहरी विकास और अवसंरचना संबंधी नीतियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मुख्य जोर पूरे भारत के शहरों और कस्बों में रहने की स्थिति, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में सुधार पर रहा।

5. पेशे से वकील होने के कारण, श्री राजगोपाल कानूनी सुधारों के सक्रिय पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाने, न्याय तक पहुंच बढ़ाने और कानूनी प्रणाली में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया। कंपनी कार्य राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कॉर्पोरेट शासन को सुदृढ़ करने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और शेयरधारकों एवं निवेशकों के हितों की रक्षा करने के लिए काम किया। रक्षा राज्य मंत्री के रूप में, उन्होंने भारत की सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और रक्षा क्षमता बढ़ाने में योगदान दिया। उन्होंने संसदीय कार्य संभाला और भारतीय संसद के भीतर सुचारू कामकाज और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच समन्वय का काम भी बखूबी से किया।